



UNDERTAKING

परियोजना का नाम : पिथौरागढ़ से जौलजीबी 220 केवी डबल सर्किट लाइन और जौलजीबी में 400 केवी धौलीगंगा - बरेली लाइन के लीओ का निर्माण कार्य।

वृक्षों के पातन का कारण

पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (भारत सरकार का एक उद्यम) उत्तराखण्ड में बिजली के बेहतर संचरण के लिए उत्तरी सुदृढीकरण प्रणाली योजना - XXXVII के तहत जौलजीबी में नई 400/220 केवी जीआईएस सबस्टेशन का निर्माण कर रहा है। 400/220 केवी जौलजीबी की नई स्थापना के लिए, हमें मौजूदा 400 केवी धौलीगंगा - बरेली लाइन का लीओ (लूप इन लूप आउट) जौलजीबी में करना है जिसकी लम्बाई **2.70 किमी एवं कोरीडोर 46 मी** है और पिथौरागढ़ सबस्टेशन को 220 केवी लाइन द्वारा नए 400/220 केवी जीआईएस सबस्टेशन जौलजीबी से जोड़ना है, जिसकी लम्बाई **24.023 किमी एवं कोरीडोर 35 मी** है। हमे कोरीडोर में आनेवाले वृक्षों का पातन निर्माणकार्य और ग्राउंड क्लियरेंस के आवश्यकतानुसार किया जाएगा। वृक्षों का पातन कम से कम हो, इसके लिये टावरों की ऊचाई बढ़ा दी गई है। चूंकि बाज के वृक्षों की ऊचाई कम होती है, इस लिये कोरीडोर में आनेवाले बाज के वृक्षों का पातन नहीं किया जाएगा। टावरों के 17 मी ऊपर की ओर आने वाले वृक्षों का पातन आवश्यक होगा और टावरों के 17 मी नीचे की तरफ आने वाले वृक्षों का पातन करने की आवश्यकता कम होगी और केवल उन्ही वृक्षों का पातन किया जाएगा जिनकी उचाई टावर / तारों की उचाई के बराबर होगी।

तारों के स्ट्रिंगिंग करते वक़्त ढलाई वाले भाग में केवल लोपिंग ही किया जाएगा। निर्माण कार्य के दौरान ये सुनिश्चित किया जाएगा कि कम से कम पेड़ों का पातन किया जाएगा। अतः हमने **4147 वृक्षों** में केवल **3103 वृक्षों** को पातन श्रेणी में रखा है। उपरोक्त विधियों द्वारा हम हर सम्भव कोशिश करेंगे कि **3103 वृक्षों** में से भी अधिक से अधिक वृक्षों को बचाया जा सके।


(N.S. LASPAL)

Asstt. GM Jauljibi